

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

JDU में शामिल होते ही एक्शन मोड में निशांत कुमार, कार्यकर्ताओं और सांसदों को दिया बड़ा संदेश

Sanket Morankar

Published on 11 Mar 2026



बिहार की राजनीति में हाल ही में एक नई हलचल देखने को मिली है। मुख्यमंत्री Nitish Kumar के बेटे Nishant Kumar के Janata Dal (United) में सक्रिय होने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पार्टी में शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने पहली बार खुलकर कार्यकर्ताओं और सांसदों को संबोधित किया और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

उनके इस बयान को राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अब तक निशांत कुमार सार्वजनिक राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। लेकिन हाल ही में पार्टी से जुड़ने के बाद उनका सक्रिय होना बिहार की राजनीति में नए समीकरणों की ओर संकेत कर रहा है।

पार्टी से जुड़ने के बाद निशांत कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड हमेशा से विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन की राजनीति के लिए जानी जाती रही है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं।

निशांत कुमार ने यह भी कहा कि पार्टी के सांसदों और नेताओं को भी जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़कर काम करना चाहिए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

अपने संबोधन में निशांत कुमार ने पार्टी के सांसदों और वरिष्ठ नेताओं को भी महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक सफलता तभी मिलती है जब संगठन और नेतृत्व के बीच मजबूत तालमेल हो।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं को समझना और उनका समाधान निकालना ही किसी भी जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसलिए सांसदों और विधायकों को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना चाहिए। निशांत कुमार ने यह भी कहा कि पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर काम करना होगा और व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर संगठन के हित को प्राथमिकता देनी होगी।

निशांत कुमार के इस सक्रिय रुख के बाद बिहार की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर वे भविष्य में सक्रिय राजनीति में पूरी तरह उतरते हैं तो इसका असर राज्य की राजनीतिक दिशा पर भी पड़ सकता है।

अब तक निशांत कुमार सार्वजनिक मंचों से दूरी बनाए रखते थे और बहुत कम ही राजनीतिक कार्यक्रमों में दिखाई देते थे। लेकिन हाल के घटनाक्रम से संकेत मिल रहे हैं कि वे धीरे-धीरे संगठनात्मक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ा सकते हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति कई मोर्चों पर बदलाव के दौर से गुजर रही है। राज्य में आने वाले चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीतियां तैयार कर रहे हैं।

ऐसे में जनता दल यूनाइटेड के लिए संगठन को मजबूत बनाए रखना बेहद जरूरी माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व भी लगातार कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

निशांत कुमार के इस बयान के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। कई कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन को नई ऊर्जा देने वाला कदम बताया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर पार्टी में युवा नेतृत्व की भूमिका बढ़ती है तो इससे संगठन को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि निशांत कुमार भविष्य में किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

फिलहाल राजनीतिक विश्लेषकों और जनता की नजर इस बात पर टिकी हुई है कि आने वाले समय में निशांत कुमार किस तरह से पार्टी के कार्यक्रमों और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं।

यदि वे लगातार सक्रिय रहते हैं, तो यह बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत भी हो सकती है।

कुल मिलाकर, जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने के बाद निशांत कुमार का सक्रिय रुख और कार्यकर्ताओं तथा सांसदों को दिया गया संदेश बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

उनका संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान यह संकेत देता है कि आने वाले समय में पार्टी के भीतर नए नेतृत्व और नई ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा सकता है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि निशांत कुमार की राजनीतिक यात्रा आगे किस दिशा में बढ़ती है और बिहार की राजनीति पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है।